भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3186

जिसका उत्तर 19 मार्च, 2025 को दिया जाना है

28 फाल्गुन, 1946 (शक)

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण-दो के अंतर्गत लाभार्थी

3186. श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण-दो के अंतर्गत आज तक राज्यवार, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश राज्य में कुल कितने लाभार्थी हैं;

(ख) पीएचडी सीटों के आबंटन के लिए आन्ध्र प्रदेश राज्य में पात्र संस्थानों से प्राप्त और स्वीकृत प्रस्तावों का जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान संस्वीकृत संस्थानों में पीएचडी सीटों की स्थापना के लिए चरण-दो के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश राज्य को कितना बजट आबंटित किया गया है; और

(घ) क्या सरकार उन लाभार्थियों की प्रगति पर नजर रख रही है जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद योजना का लाभ उठाया है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (घ): कौशल और प्रतिभा भारत टेकेड के सरकारी दृष्टिकोण की सफलता में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता हैं। सरकार सेमीकंडक्टर, एआई, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम आदि जैसे उभरते क्षेत्रों सहित पूरे तकनीकी क्षेत्र के लिए क्षमता निर्माण और योग्यता पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना इस इकोसिस्टम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार द्वारा इस योजना की शुरुआत देश में पीएचडी की संख्या बढ़ाने के लिए की गई थी ताकि इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) तथा आईटी/आईटी समर्थित सेवाओं (आईटी/आईटीईएस) के गहन ज्ञान के क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा की जा सके। इस योजना के तहत, पीएचडी विद्वानों को उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह योजना परिष्कृत अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए अनुसंधान संस्थानों को भी सहायता प्रदान करती है।

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना वर्ष 2014 में शुरू की गई थी। योजना के चरण-1 के तहत 931 छात्रों ने अपनी पीएचडी पूरी की है।

योजना का चरण-2 वर्ष 2021 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ईएसडीएम और आईटी/आईटीईएस क्षेत्रों में अतिरिक्त 1150 पीएचडी तैयार करना था। योजना के चरण-2 के तहत, देश भर में अब तक 99 संस्थानों में 519 पूर्णकालिक और 47 अंशकालिक पीएचडी उम्मीदवारों (लाभार्थियों) का नामांकन किया गया है। राज्यवार नामांकन का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

योजना के चरण-2 के अंतर्गत, आंध्र प्रदेश राज्य के 4 संस्थानों से 83 पूर्णकालिक और 38 अंशकालिक पीएचडी सीटों के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अब तक, आंध्र प्रदेश राज्य के संस्थानों को 21 पूर्णकालिक पीएचडी सीटें और 4 अंशकालिक पीएचडी सीटें आवंटित की गई हैं। विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है। इन आवंटित सीटों पर, आंध्र प्रदेश राज्य में 14 पूर्णकालिक और 4 अंशकालिक पीएचडी उम्मीदवारों (लाभार्थियों) को नामांकित किया गया है।

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना एक संस्थागत योजना है, जिसके तहत देश भर के शैक्षणिक संस्थानों को निधि जारी की जाती है। विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण-2 के तहत आंध्र प्रदेश राज्य के संस्थानों को कुल 736.40 लाख रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

पीएचडी उम्मीदवारों के शोध कार्य की प्रगति की निगरानी उनके पीएचडी अनुनय अवधि के दौरान शोध कार्यशालाओं के माध्यम से की जाती है। इन कार्यशालाओं के दौरान, अकादमिक विशेषज्ञ पीएचडी उम्मीदवारों का मूल्यांकन, समीक्षा और मार्गदर्शन करते हैं।

****

अनुबंध-I

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2 के अंतर्गत राज्यवार लाभार्थी

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	पूर्णकालिक पीएचडी सीट के लाभार्थी	अंशकालिक पीएचडी सीट के लाभार्थी
1	आंध्र प्रदेश	14	4
2	अरुणाचल प्रदेश	10	0
3	असम	17	0
4	बिहार	8	2
5	चंडीगढ़	7	0
6	छत्तीसगढ	10	0
7	दिल्ली	42	6
8	गोवा	6	0
9	गुजरात	21	1
10	हरियाणा	16	5
11	हिमाचल प्रदेश	11	2
12	जम्मू एवं कश्मीर	14	1
13	झारखंड	11	3
14	कर्नाटक	27	1
15	केरल	25	3
16	मध्य प्रदेश	37	2
17	महाराष्ट्र	15	1
18	मणिपुर	8	0
19	मेघालय	9	0
20	मिजोरम	4	0
21	ओडिशा	20	0
22	पुदुचेरी	10	2
23	पंजाब	36	0
24	राजस्थान	21	1
25	सिक्किम	1	0
26	तमिलनाडु	38	6
27	तेलंगाना	14	1
28	त्रिपुरा	5	0
29	उत्तर प्रदेश	29	1
30	उत्तराखंड	10	1
31	पश्चिम बंगाल	23	4
	कुल	**519**	**47**

अनुबंध-II

विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2 के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य के संस्थानों से पीएचडी सीटों के लिए प्राप्त और स्वीकृत प्रस्ताव की स्थिति

क्र.सं.	जिन संस्थानों से प्रस्ताव प्राप्त हुए उनके नाम	अनुरोधित पूर्णकालिक पीएचडी सीटें	आवंटित पूर्णकालिक पीएचडी सीटें	अनुरोधित अंशकालिक पीएचडी सीटें	आवंटित की गई अंशकालिक पीएचडी सीटें
1	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान, कुरनूल	30	11	25	2
2	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आंध्र प्रदेश, पश्चिम गोदावरी	15	5	3	2
3	आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज, विशाखापत्तनम	35	2	10	0
4	भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), तिरुपति	3	3	0	0
	कुल	**83**	**21**	**38**	**4**

******